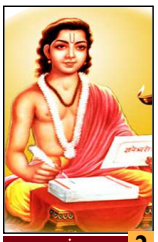

पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 02 | अंकः 16 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, बुधवार 22 नवम्बर, 2023 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

चौमूं में डॉक्टर शिखा मील बराला के समर्थन में जनसभा

सीएम गहलोत का वादा सरकार रिपीट होने पर योजनाओं का मिलेगा फायदा

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर शिखा मील बराला के समर्थन में शहर के बस स्टैंड पर जनसभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने संबोधन के दौरान कहा कि सरकार ने 25 लाख का चिरंजीवी बीमा दिया, वहीं 100 यूनिट मुफ्त बिजली देकर प्रदेश के एक करोड़ लोगों को लाभ पहुंचाया है, उनका बिजली का बिल शून्य आ रहा है। वहीं लंपी से प्रभावित पशुपालकों को 40000 रुपए देकर आर्थिक संबल देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उपस्थित जन समूह से वादा किया कि सरकार रिपीट होगी तो गांवों में हिंदी के साथ अंग्रेजी स्कूल भी खोली जाएगी ।

गहलोत ने आगे कहा कि कांग्रेस ने चौमूं विधानसभा बनने के बाद पहली बार महिला को प्रत्याशी बनाया है। महिला जीतेगी तो महिला हित के कार्य होंगे। एक करोड़ महिलाओं को निःशुल्क स्मार्टफोन दिए जाएंगे।

गहलोत ने कहा आई लव यू-सभा के बीच जब युवाओं ने मुख्यमंत्री जिंदाबाद के नारे लगाए तो गहलोत ने कहा कि वह भी उनसे बहुत प्यार करते हैं । आई लव यू कहा तो पंडाल गहलोत के जयकारों से गूंज उठा ।

कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर शिखा मिल बराला द्वारा जब मुख्यमंत्री को साफा पहनाकर स्वागत करना चाहा तो सीएम ने कांग्रेस प्रत्याशी को ही पहना दिया । जनसभा के अंत में मुख्यमंत्री को सालासर बालाजी की प्रतिमा भी भेंट की गई ।

कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. शिखा मील बराला ने की अपील -डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि 17 साल से में आपकी बहू बनकर सेवा कर रही हूं । इसी प्रकार आप सभी का मान सम्मान बनाए रखूंगी । कांग्रेस सरकार ने सीएम गहलोत के नेतृत्व में कई लोक कल्याणकारी कार्य किए हैं इन्हें जारी रखने के लिए कांग्रेस का हाथ मजबूत करें और 25 नवंबर को हाथ के निशान के सामने का बटन दबाकर विजयी बनाएं ।

जनसभा को इन्होंने किया संबोधित-जनसभा को गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवाणी, सभापति विष्णु कुमार सैनी, पूर्व मंत्री रामेश्वर दयाल यादव, प्रोफेशनल कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रुक्मणी कुमारी, प्रदेश सचिव सीआर चौधरी, पूर्व प्रधान भगवान सहाय धासिल, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पश्चिम गिरिराज देवंदा, ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व लोकेश शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश विजयवर्गीय, वरिष्ठ कांग्रेसी शरत चंद्र शर्मा आदि ने संबोधित किया । मंच सञ्चालन प्रसिद्ध एंकर प्रीति सक्सेना ने किया।

निकारागुआ की शेन्निस पलासियोस के सिर सजा मिस यूनिवर्स-2023 का ताज

अल साल्वाडोर (संस्कार सृजन)। निकारागुआ की शेन्निस पलासियोस ने वर्ष 2023 के लिए 'मिस यूनिवर्स' का ताज अपने नाम किया है। अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में उनके देश की यह पहली जीत है। पलासियोस ने 'मिस इंडिया' श्वेता शारदा सहित 83 अन्य देशों की प्रतिभागियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह खिताब अपने नाम किया। भारत की श्वेता शारदा शीर्ष 20 प्रतियोगियों की सूची में जगह बनाने में सफल रहीं। 'मिस यूनिवर्स' प्रतियोगिता का 72वां संस्करण शनिवार रात अल साल्वाडोर के सैन साल्वाडोर में

जोस एडोल्फो पिनेडा एरिना में आयोजित किया गया था। 'मिस यूनिवर्स' ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर यह जानकारी साझा की। 'मिस यूनिवर्स' ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट किया, ''मिस यूनिवर्स-2023 शेन्निस पलासियोस हैं।'' पलासियोस को अमेरिका की आर'बोनी गेब्रियल ने ताज पहनाया, जिन्होंने वर्ष 2022 के लिए मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। इस कार्यक्रम में मिस थाईलैंड एन्टोनिया पोर्सिल्ड प्रथम रनर-अप और मिस ऑस्ट्रेलिया मोरया विल्सन दूसरी रनर-अप रहीं। समारोह में अमेरिकी गायक-गीतकार जॉन लीजेंड ने अपने लोकप्रिय गीत ''ऑल ऑफ मी'' का प्रदर्शन किया।

भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य का हुआ भव्य सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य का आज जयपुर के प्रताप नगर में पहुँचने पर हितेश खत्री के घर भव्य स्वागत हुआ । इस दौरान आचार्य का भारतीय संस्कृति अनुसार तिलक करके सम्मान किया गया। सम्मान स्वरूप शोल ओढाकर, मिठाई खिलाई । आचार्य ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना कर बाबा श्याम की कृपा बनी रहने का आशीर्वाद दिया । इस अवसर पर काजल खत्री,पंडित हरिओम शर्मा, फूलचंद खत्री, बागेश्वरी खत्री आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने किया जनसंपर्क, जनसंपर्क में बड़ी संख्या में उपस्थित रहे लोग

चौमूं (संस्कार सृजन)। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र चौमूं से प्रत्याशी विधायक रामलाल शर्मा ग्रामीण क्षेत्र और नगर परिषद के वार्डों में जाकर लोगों से जनसंपर्क किया। भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा के पहुँचने पर ग्रामवासियों, वार्डवसियो एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गाजे बाजे के साथ स्वागत किया गया तथा आमजन ने माला एवं साफ़ा पहनाकर भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

रामलाल शर्मा को कई स्थानों पर फलों और मिठाई से तोला गया। भोमाका की ढाणी वार्ड22, धाना का बास, दम्बा का बास, दोलतपुरा मंडा भिड़ा, प्रगति नयाबास, बावड़ी गोपीनाथ, गोरी का बास, सबलपुरा, डोला का बास, बाई का बास, रामदेव मंदिर रेगर मोहल्ला उदयपुरिया, रेगर मोहल्ला इटावा भोपजी, भभेवा की ढाणी मोरिजा, भोजलावा तलाई, नंदाका की ढाणी हाड़ौता, केशव नगर वार्ड 11 चौमूँ, शिव मंदिर बिहारीपुरा फाटक वार्ड 7 चौमूँ, पुरोहितों का मोहल्ला चौमूँ, राधाबाग वार्ड 33, अशोक विहार चौमूँ में जन संपर्क किया।

भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता अपने अपने बूथ को मज़बूत करने पर ध्यान दे। साथ ही उन्होंने आमजन से 25 नवंबर को भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जेसीआई बैंगलोर कॉस्मो की सातवीं वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

बैंगलोर (संस्कार सृजन)। जेसीआई बैंगलोर कॉस्मो की सातवीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन होटल जियोन में किया गया। कॉस्मो अध्यक्ष दिनेश मरोठी ने सभी का स्वागत किया एवं वर्ष भर में सदस्यों द्वारा प्राप्त सहयोग के लिए उनका अभिनंदन किया। तत्पश्चात् कोषाध्यक्ष दीपक जैन ने वर्ष भर में हुए आय व्यय का ब्यौरा दिया । उपाध्यक्ष जयेश जैन, अक्षय चावत, अनमोल जैन, महिला विंग सचिव संतोष सेठिया, जूनियर विंग सचिव लहक मेहता, सचिव कैलाश जैन में अपने अपने विभागों की प्रस्तुति दी और उपस्थित अनेक सदस्यों ने कॉस्मो के विकास के लिए अपने सुझाव दिए। तत्पश्चात आयोजित चुनाव प्रक्रिया में भारत रूनवाल को वर्ष 2024 के लिए अध्यक्ष

मनोनीत किया गया। सचिव अक्षय चावत, कोषाध्यक्ष के रूप में जयेश जेन का मनोनयन हुआ। अन्य पदों के लिए उर्वशी पुगलिया, अर्हम पोरवाड़, राकेश जैन, सूरज जैन, दीपिका जैन, मानसी जैन, सुनील मेहर का मनोनयन हुआ । चुनाव अधिकारी के रूप में निवर्तमान अध्यक्ष श्रेया जैन ने अपनी सेवाएँ दी। वार्षिक साधारण सदन में पूर्व अध्यक्ष रक्षा माण्डोत, गौरव जैन, मदन जैन प्रशिक्षक चिराग साटिया सहित लगभग 50 सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की सफल संयोजना में प्रेक्षा जैन, अर्हम पोरवाड़, सचिव कैलाश जैन का विशेष योगदान रहा। नव मनोनीत अध्यक्ष भरत रूनवाल का अध्यक्ष दिनेश मरोठी सहित पूर्व अध्यक्षों ने अभिनंदन किया। आभार ज्ञापन सचिव कैलाश जैन ने किया।

सुनील सिंह तंवर बने जयपुर चॉइस अवार्ड 2023 के ब्रांड एंबेसडर

जयपुर (संस्कार सृजन)। गोल्ड इवेंट्स की ओर से 28 नवंबर को होटल ग्रैंड सफारी जयपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम जयपुर चॉइस अवार्ड के लिए संस्था ने सुनील सिंह तंवर को ब्रांड एंबेसडर बनाया है । साथ ही कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 51 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा । कार्यक्रम में संरक्षक जयपुर ग्रीन डेवलपर के डायरेक्टर राजेश सैनी रहेंगे जबकि मुख्य अतिथि सफारी ग्रुप होटल के डायरेक्टर पवन गोयल रहेंगे । संस्था के डायरेक्टर राज शर्मा ने

बताया की सुनील सिंह तंवर इवेंट के साथ-साथ कला संस्कृति और संगीत के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं । उनके उल्लेखनीय कार्य को देखते हुए उन्हें ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है ।

संपादकीय

तारीख पर तारीख आखिर कौन है जिम्मेदार

भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय चंद्रचूड़ ने वकीलों की स्थगन मांगने की प्रवृत्ति की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि इससे जनता में एक धारणा बनी है कि अदालतों में इंसाफ की जगह तारीखें मिलती हैं। एक बॉलिवुड फिल्म का डायलॉग जनता की जुबान पर बैठ गया है, 'तारीख पे तारीख, तारीख पे तारीख।' सचमुच स्थगन न्याय व्यवस्था का सबसे बड़ा अभिशाप है। वकीलों द्वारा स्थगन मांगा जाना न्याय प्रणाली के साथ खिलवाड़ है। लेकिन उससे अधिक आश्चर्यजनक है अदालत द्वारा स्थगन दिया जाना। वकील सामान्य तौर पर मामले को लंबा खींचना चाहते हैं क्योंकि जल्द केस निपटेगा तो उनके पेट पर लात पड़ेगी। कुछ वर्ष पहले गया में एक जज ने स्थगन पर पूरी तरह रोक लगाकर त्वरित फैसला देना शुरू किया। महीने-दो महीने में आपराधिक मामलों का निपटान होने लगा। तब बड़ी संख्या में वकीलों ने उनके पास जाकर विरोध जताया कि इससे तो उनकी प्रैक्टिस ही बैठ जाएगी। एक दूसरा कारण भी है। हर मामले में सामान्यतः एक पक्ष कमजोर होता है। उसकी कोशिश होती है मुकदमे को जितना संभव हो लंबा खींचा जाए। लंबे अंतराल के बाद गवाह और साक्ष्य मिलना मुश्किल हो जाता है, जिससे उसके जीतने की संभावना बढ़ जाती है। साफ है, वकील केवल और केवल अपने मुवक्किल के लिए काम करते हैं, न्याय के लिए नहीं, जबकि उन्हें अदालत का अधिकारी माना जाता है जिनका दायित्व है न्याय तक पहुंचने में अदालत की सहायता करना। दिलचस्प है कि जब भी न्याय व्यवस्था की खामियों पर बहस होती है तो वकीलों की भूमिका प्रायः उससे बाहर ही रह जाती है। ध्यान रहे, भारत की आधुनिक न्याय व्यवस्था अंग्रेजी हुकूमत द्वारा दिया गया वरदान या अभिशाप है। हिंदू और मुगल भारत के साहित्य में न्यायाधीशों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र बार-बार आता है, लेकिन अधिवक्ता की कोई चर्चा नहीं मिलती। भारत की आधुनिक न्याय प्रणाली प्रारंभ से ही इतनी खर्चीली हो गई कि न्याय के साथ उसका संबंध-विच्छेद हो गया। जब 1774 में कलकत्ते में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई तो अंग्रेज वकील इंग्लैंड में ली जाने वाली फीस का दो से पांच गुना फीस लेने लगे। विलासिता उनके ठाट-बाट और सामंती जीवन शैली में झलकती थी। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक वहां भारतीय वकीलों को प्रैक्टिस करने की इजाजत नहीं थी। लेकिन जब उन्हें इजाजत मिली तो उन्होंने भी न्याय को सर्वसुलभ बनाने के बजाय अंग्रेज वकीलों के नक्शे-कदम पर चलते हुए पैसा कमाना बेहतर समझा। आज अधिवक्ताओं की प्रतिभा और कद का पैमाना ही यह है कि उनकी फीस कितनी ज्यादा है। आयकर रिटर्न के हिसाब से ही कई अधिवक्ताओं की प्रैक्टिस अरबों रुपये सालाना है। यह सिर्फ और सिर्फ लूट है किंतु बड़ी चतुराई से वकीलों ने अपनी कमाई को प्रतिभा से जोड़ दिया है। क्या आज तक किसी वकील के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा चला है? सरकार खुद वकीलों को एक-एक तारीख पर लाखों रुपये फीस देती है। किसी सरकारी विभाग या राज्य सरकार का स्टैंडिंग काउंसल बनने की होड़ रहती है क्योंकि कमाई हर महीने लाखों में होती है।

घर में पौधे लगाते समय दिशा का रखें खास ध्यान, दूर होंगे वास्तु दोष, चमक जाएगी किस्मत

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में पौधे लगाते समय दिशा का खास ध्यान रखना चाहिए। पेड़-पौध की हरियाली से घर की सुंदरता तो बढ़ती हैं, लेकिन कुछ बातों का ख्याल रखने से घर वास्तु दोषों से छुटकारा मिलता है और घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। पौधे लगाते समय दिशा पर जरूर ध्यान दें और कोई भी पौधा गलत दिशा में न लगाएं। वास्तु के मुताबिक, ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आइए जानते हैं पेड़-पौधे से जुड़ी वास्तु के नियम...

पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं ये पौधे- वास्तु के अनुसार, घर के पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में तुलसी, केला, आंवला, गेंदा,शमी, हरी दूब, मनी प्लांट, धनिया, हल्दी, लिली और पुदीना का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इन पौधों को लगाने से घर का वास्तु दोष दूर होता है और घर में मां लक्ष्मी का वास होता है।

उत्तर दिशा- वास्तु के मुताबिक, घर उत्तर दिशा में नीले रंग के फूल देने वाले पौधों को लगाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन मे सकारात्मकता बढ़ती हैं और घर में खुशहाली का माहौल रहता है और करियर में भी खूब सफलता मिलती है।

दक्षिण या पश्चिम दिशा में लगाएं ये पौधे- वास्तु शास्त्र के अनुसार,पीपल पेड़ को घर से कहीं दूर खुले स्थान पश्चिम दिशा की तरफ लगाना चाहिए। इस दिशा में मोगरा और चमेली का फूल लगाना भी बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में तरक्की के खूब अवसर मिलते हैं और जीवन सुख-सुविधाओं में व्यतीत होता है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

निस्वार्थ भाव से कुछ देना

हमें प्रभु के और करीब ले जाता है

एक इनसान जो सबसे बड़ा काम कर सकता है, वह है दूसरों की सेवा करना। दूसरों को कुछ देना। लेकिन बहुत-से लोग देने से डरते हैं क्योंकि उन्हें चिंता होती है कि उनके पास कम हो जाएगा। उन्हें इस बात का अहसास नहीं है कि ब्रह्मांड में बहुतायत का नियम काम कर रहा है। जब भी हम निस्वार्थ भाव से किसी को कुछ देते हैं या किसी की मदद करते हैं तो हमें और अधिक मिलता है।

इसे समझने के लिए एक किस्सा है। अरब देश में एक बुजुर्ग आदमी था। उसके तीन लड़के थे। जब वह मरने के करीब था, तो उसने अपने बेटों को अपने पास बुलाया और उनसे कहा, 'जब मैं मर जाऊं तो मेरी संपत्ति आपस में बांट लेना।' उसने अपने बड़े बेटे को कहा कि तुम मेरी संपत्ति का आधा हिस्सा ले लेना। मंझले बेटे को कहा कि एक तिहाई संपत्ति तुम्हारी है। और सबसे छोटे बेटे से कहा कि तुम्हारे पास मेरी संपत्ति का नौवां हिस्सा होगा।इसके कुछ दिनों बाद बुजुर्ग की मौत हो गई। जब उसकी संपत्ति का लेखा-जोखा किया गया, तो पता चला कि उसके पास कुल सत्रह ऊंट थे। उन्हें ठीक उसी तरह बांटना असंभव था, जैसा उनके पिता ने कहा था। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें। वे सलाह के लिए अपने पिता के एक बुजुर्ग मित्र के पास गए। बुजुर्ग ने कुछ देर सोचा और कहा, 'मेरे पास केवल एक ऊंट है। यदि मैं उस ऊंट को तुम्हारे झुंड में मिला दूं, तो तुम अपने पिता की इच्छा के अनुसार ऊंटों को बांट सकते हो। जब उसने अपने ऊंट को सत्रह में जोड़ा, तो अठारह ऊंट हो गए। इन्हें लड़कों के पिता की इच्छानुसार आसानी से बांटा जा सकता था। सबसे बड़े को उसने आधा हिस्सा दिया, जो नौ ऊंट निकले। मंझले बेटे को एक तिहाई हिस्सा दिया, जो छह ऊंट निकले। सबसे छोटे को उसने अठारह में से नौवां भाग दिया, जो दो ऊंट निकले। लड़के खुशी-खुशी चले गए। बुजुर्ग मित्र ने पलट कर देखा तो उसे अहसास हुआ कि उसके पास उसका अपना ऊंट ही रह गया! उसने परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा, 'हे परमेश्वर, तेरी कृपा से बढ़कर कुछ नहीं है! यह किस्सा हमें बताता है कि जब हम देते हैं तो हम कभी नहीं हारते। बुजुर्ग व्यक्ति इतना निस्वार्थ था कि वह अपने दोस्त की इज्जत के लिए अपनी एकमात्र संपत्ति देने को तैयार हो गया। इसके बावजूद उसने अपना ऊंट नहीं खोया। अकसर ऐसा होता है कि जब हम किसी जरूरतमंद को कुछ देते हैं तो वह चीज या तो हमें वापस मिल जाती है या परिस्थितियां बदल जाती हैं और हमें उसे देने की जरूरत नहीं पड़ती। इसकी वजह है कि जब भी हम निस्वार्थ भाव से किसी की मदद करते हैं तो ईश्वर हमारी मदद करता है। असल में निस्वार्थ भाव से किसी को कुछ देने से बढ़कर कोई खुशी नहीं है। यह खुशी हमें असीम सुख से भर देती है। निस्वार्थ भाव से किसी को कुछ देने वाला कभी नहीं खोता। हम देखते हैं कि बिना मांगे अधिक-से-अधिक आशीर्वाद हम पर बरस रहा है। हम ईश्वर के और करीब होते जाते हैं।

देव दीपावली पर कृतिका नक्षत्र और शिव योग का सुखद संयोग, ज्योतिषविद् से जानें शुभ मुहूर्त

सनातन संस्कृति में कार्तिक पूर्णिमा की तिथि अत्यंत पावन मानी गई है। इस तिथि पर मनाए जाने वाले देवदीपावली के उत्सव से तीन पौराणिक प्रसंग जुड़े हैं। वे प्रसंग शिव, पार्वती और विष्णु पर केंद्रित हैं। काशी में देवदीपावली का विराट उत्सव इस वर्ष 27 नवंबर को मनाया जाएगा।

पौराणिक मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन देवाधिदेव महादेव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसी दिन दुर्गारूपिणी पार्वती ने महिषासुर का वध करने के लिए शक्ति अर्जित की थी। इसी दिन गोधूलि बेला में भगवान विष्णु ने मत्स्यावतार लिया था। इन तीनों ही अवसरों पर देवताओं ने काशी में दीपावली मनाई थी।

कार्तिकेय की भी होती है पूजा- भृगु संहिता विशेषज्ञ पं. वेदमूर्ति शास्त्री के अनुसार इस दिन देवाधिदेव महादेव और भगवान विष्णु के साथ ही शिवपुत्र कार्तिकेय की पूजा का विशेष महात्म्य है। पूर्णिमा पर ब्रह्ममुहूर्त में उठें। दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर पहले अपने आराध्य देवी-देवता का ध्यान करें, फिर पूर्णिमा के व्रत का संकल्प लें। सायं प्रदोषकाल में दीपदान का विधान है। देवालयों में दीप प्रज्जवलित करने के बाद सरोवरों अथवा गंगा तट पर दीपदान करना चाहिए। पीपल, आंवला व तुलसी के पौधे के आगे दीप जलाना चाहिए।

क्षीरसागर दान का भी विधान- कार्तिक पूर्णिमा को क्षीरसागर का प्रतीक दान भी किया जाता है। इसके अंतर्गत 24 अंगुल ऊंचे नवीन पात्र में गाय का दूध भरकर उसमें सोने या चांदी की मछली रखी जाती है। फिर उसे यथा संभव दक्षिणा और सिद्धा के साथ ब्राह्मण को दान करना चाहिए। क्षीरसागर का प्रतीक दान व्यक्ति के जीवन में समृद्धि-उत्कर्ष करता है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

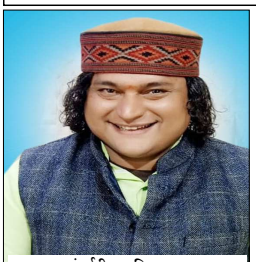

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि – लव लाइफ की दिक्कतों को नजरअंदाज ना करें और साथी से बातचीत करके समस्या का समाधान निकालने की कोशिश करें। कार्यक्षेत्र में कार्यों की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी । आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। यह सोच-समझकर निवेश करने का भी अच्छा समय है। कार्यों के तनावों को मेहनत और लग्न के साथ पूरा करें।

वृष राशि – लव लाइफ की दिक्कतों को सुलझाने का सबसे अच्छा समय है। आप अतीत की यादों को लेकर उदास हो जाते हैं, जिससे जीवन में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आप अपने कार्य की गुणवत्ता पर फोकस कर सकेंगे। प्रॉपर्टी, व्यापार और शेयर मार्केट निवेश के अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं।

मिथुन राशि – हेल्दी डाइट लें, नहीं तो स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। चुनौतियों से सामना करने का सबसे अच्छा समय है। हालांकि अपनी अंतरात्मा पर विश्वास करें और किसी भी कार्य को लेकर अधिक रिस्क ना लें। जल्दबाजी में कोई निर्णय ना लें। लव लाइफ में अधिक साहसी और भावुक महसूस कर रहे हैं। यह कंफर्ट जोन से बाहर निकलने और नई चुनौतियों को स्वीकार करने का समय है। रिस्क लेने से ना डरे और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें ।

कर्क राशि – आपकी खर्च करने की इच्छा हो सकती है या धन से जुड़े रिस्क ले सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि आप आराम, हाइड्रेशन और खुद की देखभाल कर फिजिकल और मेंटल हेल्थ का ध्यान रख रहे हैं। अपने डेली रूटीन में योगा या मेडिटेशन शामिल करें। अपने शरीर के संकेतों को सुने। वित्तीय मामलों को ज्यादा सावधानी से संभालें।

सिंह राशि – रिश्ता परेशानियों से मुक्त है। ऑफिस में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आर्थिक परेशानियों के कारण पैसों से जुड़े बड़े फैसलों से दूर रहें। आप शानदार लव लाइफ की उम्मीद कर सकते हैं। परेशानियों के बारे में चिंता न करें और अपने दृष्टिकोण में ईमानदार रहें। चुनौतियों के बावजूद आप ऑफिस में दिए गए हर काम को पूरा करने में सफल रहेंगे। पैसों से जुड़े बड़े फैसले टालें।

कन्या राशि – किसी विदेशी व्यक्ति से मुलाकात होने की भी संभावना ज्यादा है। अपने साथी के साथ ज्यादा समय बिताएं क्योंकि हमारे प्रेमी को यही पसंद है। टीम से संबंधित कार्यों में उनका समर्थन सुनिश्चित करने के लिए टीम के सदस्यों के साथ अच्छे से रहें। किसी मित्र या रिश्तेदार को बड़ी रकम न दें क्योंकि इसे वापस पाने में आपको कठिनाई होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और कोई बड़ी बीमारी आपके सामान्य जीवन पर असर नहीं डालेगी।

तुला राशि– सुखी लव लाइफ के लिए रिश्ते में चल रही उलझनों को सुलझाएं। आप अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

स्वास्थ्य और धन दोनों आपके पक्ष में रहेंगे। जीवन में खुशियां आएंगी। जब आप अपने साथी के साथ समय बिताएं तो अपनी फीलिंग्स शेयर करें। इससे बॉन्डिंग मजबूत होती है। पेशेवर रूप से आगे बढ़ने के लिए हर अवसर का उपयोग करें। आपको धन संबंधी मामलों को संभालते समय सावधान रहने की आवश्यकता होगी। आप दान में धन भी दान कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि – नया प्यार मिलेगा और इससे उनकी जिंदगी बदल जाएगी। अविवाहित मेष राशि के जातक जो प्रेमी ढूंढते हैं उन्हें शादी में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। व्यापारियों और कारोबारियों को लाइसेंस संबंधी दिक्कतें आएंगी, जिनका समाधान करना जरूरी है। आर्थिक रूप से आप भाग्यशाली हैं। आप विलासिता का सामान खरीद सकते हैं और यात्रा का प्लान भी बना सकते हैं।

धनु राशि – आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कोई भी बड़ी बीमारी आपको परेशान नहीं करेगी। हालांकि कुछ जातकों को पेट में दर्द, गंभीर सिरदर्द, जोड़ों में दर्द और दृश्य विकारों की शिकायत हो सकती है। आपका पेशेवर जीवन शानदार रहेगा। किसी स्टार्ट-अप से जुड़ना आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा धन को सावधानी से संभालें। आपके निजी जीवन में परेशानियां आएंगी, जहां आपको बड़ी रकम खर्च करने की आवश्यकता होगी।

मकर राशि – कोई अप्रत्याशित प्रेम प्रसंग समय को खूबसूरत बना देगा। आपके पास ऑफिस में अपनी क्षमता साबित करने के अवसर होंगे और सफलता इस बात में छिपी है कि आप उनका कितनी अच्छी तरह उपयोग करते हैं। आपकी लव लाइफ में कुछ सकारात्मक बातें होंगी। खुलकर बात करें और रोमांटिक डिनर की प्लानिंग बनाएं। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार रहें।

कुंभ राशि – आप प्रिय को महंगे उपहारों से भी हैरान कर सकते हैं। आपके रिश्ते को आपके माता-पिता का समर्थन प्राप्त होगा। ऑफिस में जरूरी काम इंतजार कर रहे हैं। ऑफिस आपकी क्षमता पर भरोसा करता है और मैनेजमेंट को साबित करता है कि वे सही हैं। कुछ कार्यों के लिए आपको कार्यालय में अधिक समय तक रुकना पड़ेगा। कोई दोस्त आर्थिक मदद मांगेगा और आप मना नहीं कर पाएंगे। किसी कानूनी मसले पर भी आज बड़ी रकम खर्च करनी पड़ेगी।

मीन राशि – आप अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। अपनी ऊर्जा को लक्ष्यों को पूरा करने में लगाएं। यह आपके लिए विकास और व्यक्तिगत विकास का समय है । अपने पार्टनर की जरूरतों को सुनने के लिए समय निकालें, जिससे गहरा संबंध विकसित हो सके। आपका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। आप खुद को रोमांचक प्रोजेक्ट्स और सहयोगों में सबसे आगे पाएंगे। आपका आर्थिक भाग्य उन्नति पर है।

मनुष्य का कर्तव्य है सभी जीवों के अधिकारों की रक्षा करना, तभी मिलेगा ज्ञान का सागर

अध्यात्म की राहों में जो साधक आगे बढ़ना चाहते हैं, उनका जीवन कैसा होना चाहिए? एक वास्तविक साधक अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए आध्यात्मिक जगत में अपने कर्तव्यों का भी ठीक से पालन करेगा। दोनों के बीच एक सुखद सम्मिश्रण होगा। बाहरी जगत में एक उद्देश्य का समायोजन होना चाहिए और मानसिक जगत में एक व्यक्तिपरक दृष्टिकोण होना चाहिए। इसके अलावा, यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि मानव जीवन एक वैचारिक प्रवाह है। मनुष्य को हमेशा सर्वोच्च विचारधारा की ओर बडना चाहिए। मनुष्य अनादि काल से इस दिशा में आगे बड़ते रहे हैं और इसी प्रक्रिया में मानवता के वर्तमान चरण तक पहुंचे हैं। मानव जीवन पशु जीवन से अधिक सुरक्षित है। लेकिन अतीत में हर इंसान को उस तरह के दर्दनाक पशु जीवन से गुजरना पडा है। फिर भी इसका मतलब यह नहीं है कि हम उन जानवरों के लिए दुख का कारण बनें जिन्होंने आज हमारे साथ आश्रय लिया है। हमें उनके प्रति दयालु रवैया रखना चाहिए। बहुत से ऐसे परिवार हैं जहां देखने को मिलता है कि पति अपनी पत्नी को प्रताड़ित करता है, सास अपनी बहू को सताती है। बहू सास से नफरत करती है। मनुष्य को चाहिए कि वह बाह्य जगत में अपने कर्तव्यों का निर्वाह ठीक से करे और सदैव यह सुनिश्चित करे कि कोई अनावश्यक रूप से किसी अनुचित दुर्व्यवहार से पीडित न हो। सभी जीवों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।

प्रत्येक मनुष्य को जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं- भोजन, वस्त्र, दवा, आश्रय और शिक्षा- की गारंटी दी जानी

चाहिए। मैं किसी का शोषण नहीं करूंगा और मैं दूसरों को अपना शोषण नहीं करने दूंगा। यह उचित उद्देश्य समायोजन की भावना है। आपको बाहरी दुनिया से तालमेल बैठाते हुए जीवन पथ पर आगे बन्ना होगा। आपको हमेशा याद रखना चाहिए कि आपका अस्तित्व केवल भौतिक नहीं है। ये जो जानवर हैं, वही मुख्य रूप से भौतिक दुनिया से संबंध रखते हैं, केवल जीवित रहने के लिए संघर्ष करते हैं। वे जानवर जो जंगलों में रहते हैं, उन्हें लगातार बाघ, शेर, भालू, हाथी, सांप, मगरमच्छ और कई अन्य क्रूर जीवों के भय का सामना करना पडता है। दूसरी ओर बकरी, भेड और गाय जैसे प्राणी हैं जिन्होंने मनुष्य के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। वे मनुष्य के हाथों मारे जाने के भय का सामना करते हैं। तो, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मानव जीवन के मुकाबले पशु जीवन कम सुरक्षित है। आज की दुनिया में मनुष्य को कई कठिनाइयों का सामना करना पडता है। चूंकि हम अब तक एक आदर्श मानव समाज का निर्माण नहीं कर पाए हैं, इसलिए हमें सबसे पहले जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने पर ध्यान देना होगा। एक बार वह कार्य पूरा हो जाने के बाद, हम एक आदर्श समाज का निर्माण करने में सक्षम होंगे। समाज को आध्यात्मिक प्रगति के योग्य बनाने के लिए लोगों को साधना का पर्याप्त अवसर और समय चाहिए होगा। वर्तमान दुनिया में मनुष्य को जीवन निर्वाह के साधन जुटाने में ही इतनी भारी कठिनाइयों का सामना करना पडता है कि वे अपने व्यक्तिपरक दृष्टिकोण के लिए कोई समय नहीं दे सकते। यह आज की सबसे बडी त्रासदी है। इसलिए मैं आपको जल्द से जल्द एक स्वस्थ मानव समाज का निर्माण करने की सलाह देना चाहूंगा, ताकि प्रत्येक मनुष्य को आध्यात्मिक प्रगति के लिए पर्याप्त अवसर और समय मिल सके।

आँखों देखा हमेशा सच नहीं (कहानी)

एक व्यक्ति जिसका नाम अशोक भल्ला है, वो अपने बेटे के साथ मंदिर में बैठा हुआ था। उसके बेटे का नाम आरव है और उसकी उम्र 25 वर्ष है। आरव बहुत ही खुश लग रहा है, जो कि उसकी हरकतों से साफ जाहीर हो रहा है। उसके सवाल बहुत अजीब से लग रहे हैं, जिनकी तरफ हर किसी का ध्यान जा रहा है। खासतौर पर वही पास में बैठे बुजुर्ग दंपत्ति वो चाह कर भी अपना ध्यान आरव से हटा नहीं पा रहे थे।

आरव अपने पिता से कहता हैं पापा ये गणेश जी ऐसे क्यूँ दिखते हैं ? इनकी नाक ऐसी क्यूँ हैं ?

प्रभाती लाल सैनी

तब पिता बड़े ही शांत मन से खुशी के साथ अपने बेटे को भगवान गणेश की कहानी सुनाते हैं और तब आरव को गणेश जी की नाक जिसे सूंड कहते हैं के बारे में पता चलता है।

आरव ऐसे कई सवाल करता हैं जैसे आसमान का ये रंग कौन सा रंग है ? पंछी का नाम क्या है ? नदी का रंग क्या है ? ऐसी अनगिनत सवाल जो कि बहुत छोटा बच्चा अपने माता पिता से करता हो। वो दंपत्ति को बहुत आश्चर्य होता है और वो दोनों आपस में बाते करने लगते हैं, जिसे देख आरव के पिता को कुछ महसूस होता है, पर वो कुछ नहीं कहते और मुस्कुराते हुये अपने बेटे के सवालों का बड़े प्यार से जवाब देने लगते है । दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को बैचेनी होने लगती है और वो आरव पागल है, ऐसा वहाँ बैठे सभी लोगो से कहने लगते हैं और अपनी जान पहचान में आरव की चर्चा करने लगते हैं, अगले दिन भी दंपत्ति को आरव और मिस्टर भल्ला मिलते हैं और इस बार वो दोनों आरव के पिता के पास पहुँच जाते हैं, वो उन्हे आरव को मेंटल चेक अप और ट्रीटमेंट की जरूरत है, यह कहना चाहते हैं, और बहुत ही अटक अटक कर असहजता से पूछते हैं, ये जो है क्या वो आपका बेटा है ? भल्ला साहब कहते हैं हाँ जी भाई साहब ये मेरा बेटा आरव है । दंपत्ति के मन में कुछ है, जो भल्ला साहब को समझ आ रहा है। तब ही भल्ला साहब दंपत्ति से कहते हैं, कि आप दोनों कुछ कहना चाहते हैं तो कह सकते हैं। तब दंपत्ति हिम्मत करते हुये कहते हैं, कि बुरा मत मानियेगा, आपने कभी आरव को किसी डॉक्टर को दिखाया। तब भल्ला साहब कहते हैं किस बात के लिए मुझे आरव को डॉक्टर को दिखाना चाहिए, वो एक दम चुस्त दुरुस्त है । तब दंपत्ति और अचरज में पड़ जाते हैं और सकुचाते हुये कहते हैं मिस्टर भल्ला आपके बेटे की कद काठी देख लगता है कि यह 25 वर्ष का होगा लेकिन इसकी हरकतों से लगता है ये कुछ 3 से 5 साल का है । हम समझ रहे हैं पिता के लिए या सच स्वीकार करना बहुत मुश्किल है, लेकिन अगर आप इस सच को स्वीकार लें और आरव का इलाज करवाये तो शायद परिस्थिती में बदलाव हो जाये । मिस्टर भल्ला को हँसी आ जाती है । यह देख दंपत्ति को और अजीब लगने लगता है, तब दंपत्ति के चेहरे का भाव देख मिस्टर भल्ला उनसे कहते हैं कि भाई साहब सच यह नहीं जो आप समझ रहे हैं । असल में आरव बचपन से ही देख नहीं सकता था वो नेत्रहीन था । उसका ऑपरेशन हुआ है और मैं कल उससे सबसे पहले यहाँ ले आया । जिंदगी में पहली बार उसने अपनी आंखो से दुनियाँ देखी, जानता समझता वो सब है लेकिन वो वापस अपने बचपन को जी रहा है और मैं भी उसका साथ दे रहा हूँ। यह सुन दंपत्ति का सिर शर्म ने झुक गया क्यूंकि उन्हे अपनी भूल का एहसास हो गया था।

जानिए गर्म तवे में पानी डालना आखिर क्यों माना जाता है अशुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जीवन में कई तरह की समस्याएं किचन में मौजूद चीजों के बारे में होती है। किचन में मौजूद तवा के कारण व्यक्ति के जीवन में कई तरह की परेशानियां खड़ी हो सकती है। क्योंकि तवा को राहु का प्रतीक माना जाता है। इसलिए तवा का प्रयोग करते समय कुछ सावधानी बरतनी बहुत ही जरूरी है, वरना बाद में दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ता है। ऐसे ही कई लोगों की आदत होती है तवा का इस्तेमाल करने के बाद तुरंत ही उसे धोने के लिए रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गर्म तवे में पानी डालने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जानिए आखिर गर्म तवे में पानी डालना क्यों माना जाता है अशुभ।

इस कारण नहीं डालना चाहिए गर्म तवे में पानी वास्तु शास्त्र के अनुसार, गर्म तवे में पानी डालना अशुभ माना जाता है। इससे जल का अपमान माना जाता है वहीं दूसरी ओर नकारात्मक ऊर्जा अधिक पैदा होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तवे का संबंध राहु से और जल का संबंध चंद्र से है। ऐसे में गर्म तवे में जल डालने से राहु और चंद्र की स्थिति कुंडली में कमजोर हो जाती है। गर्म तवे में पानी डालने से एक तरह की आवाज उत्पन्न होती है। ऐसे में अधिक नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। जिसके कारण जीवन में कई तरह के संकट उत्पन्न होते हैं और घर में रहने वाले सदस्यों की अचानक बीमार हो सकते हैं।

गर्म तवे में पानी डालने से घर का कोई सदस्य गंभीर रूप से बीमार पड़ सकता है।

सहाराश्री सुब्रत राय ने महज 2000 रुपए में गोरखपुर से शुरू किया था अपना कारोबार

लखनऊ (संस्कार सृजन)। सहारा समूह के संस्थापक सुब्रत रॉय सहारा का लम्बी बीमारी के बाद मंगलवार को निधन हो गया। सहारा श्री का गोरखपुर से गहरा रिश्ता रहा है। उन्होंने न सिर्फ यहां से टेक्निकल पढ़ाई की बल्कि कारोबार की शुरुआत भी ।

गोरखपुर से महज 2000 रुपये से शुरू किये गए फाइनेंस कंपनी के कारोबार को उन्होंने 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया। सुब्रत राय ने वर्ष 1978 में अपने मित्र एसके नाथ के साथ फाइनेंस कंपनी शुरू की।

सिनेमा रोड स्थित कार्यालय के एक कमरे में दो कुर्सी और एक स्कूटर के साथ उन्होंने दो लाख करोड़ रुपये तक का सफर तय कर किया। जहां वह छोटे-छोटे दुकानदारों से बचत कराते थे। थोड़ी पूंजी हुई तो वर्ष 1978 में औद्योगिक क्षेत्र में कपड़े और पंखे की छोटी फैक्टरी शुरू की। इस दौरान वह स्कूटर से पंखा और अन्य उत्पादों को बेचा करते थे। दुकानों पर पंखा पहुंचाने के साथ ही वह दुकानदारों को छोटी बचत के बारे में जागरूक करते थे।

बैंकिंग जरूरतों के साथ रोजगार के अवसर के बीच सहारा की 'गोल्डेन की' योजना क्रान्तिकारी साबित हुई। जिसमें समय-समय पर होने वाली लाटरी ने निम्न मध्यम वर्ग को मजबूती से जोड़ा। वर्ष 1983-84 में कारोबारी मित्र एसके नाथ ने अलग होकर दूसरी कंपनी स्थापित कर ली। इसी साल सुब्रत राय ने लखनऊ में कंपनी का मुख्यालय खोला।

सुब्रत राय बेतियाहाता में अधिवक्ता

शक्ति प्रकाश श्रीवास्तव के घर में किरायेदार थे, जहां उनके बच्चों का भी जन्म हुआ। शुरुआती दिनों में रेलवे के बाद पूर्वांचल के बेरोजगारों को रोजगार देने वाली प्रमुख कंपनी सहारा ही थी।

सुब्रत राय का गोरखपुर से खासा लगाव था। मीडिया क्षेत्र हो या फिर रियल इस्टेट गोरखपुर में उनकी कंपनी ने दोनों क्षेत्र में बड़ा निवेश किया। वर्ष 2000 में यूनिट का शुभारंभ करने मिलेनियम स्टार अमिताभ बच्चन पहुंचे थे। टाउन हाल स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से लेकर छात्र संघ चौराहे पर विवेकानंद की प्रतिमा तक को संवारा।

सुपर स्टार अनिल कपूर, दीया मिर्जा से लेकर बालीवुड के नामचीन चेहरों को गोरखपुर में लाने का श्रेय सुब्रत राय को जाता है। ज्योतिषाचार्य कृष्ण मुरारी मिश्रा के वहां वैवाहिक कार्यक्रम में बालीवुड के सभी प्रमुख चेहरों की मौजूदगी से गोरखपुर सुर्खियों में आया था।

एक बार गोरखपुर से जुड़ाव को लेकर सुब्रत राय ने कहा था कि 'जब भी गोरखपुर आता हूं, मुझे बहुत अच्छा लगता है। ये मेरा घर है। पूरी दुनिया में तमाम शहर हैं लेकिन गोरखपुर मेरे लिए खास है।'

विधाधर नगर में 2दर्जन से ज्यादा कांग्रेसी भाजपा में शामिल

जयपुर(नि.सं.)। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी के समर्थन में दो दर्जन से ज्यादा कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में कांग्रेस ब्लॉक मंडल उपाध्यक्ष व हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति सचिव सुशील शर्मा, हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति के अध्यक्ष गोपाल सिंह, हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति के कोषाध्यक्ष दीनदयाल शर्मा, कांग्रेस कार्यकर्ता और संगठन मंत्री अनिल पारीक, मीडिया प्रभारी पुनीत पारीक, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता दीपक सैनी, कांग्रेस कार्यकर्ता कृष्ण कुमार उदेणिया, वरिष्ठ कार्यकर्ता बबलू शर्मा, दूरसंचार विभाग के रिटायर्ड अकाउंट आफिसर गंगाराम सैनी, महेश कुमार शर्मा सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए।

समाज सेवा के लिए सम्मानित हुई अच्छाई संस्था

जयपुर (संस्कार सृजन)। दिल्ली रोड ईदगाह पर आयोजित सम्मान समारोह में समाज सेवा के लिए आरी तारी दस्तकार मजदूर कल्याण संस्थान द्वारा अच्छाई संस्था को सम्मानित किया गया।

अच्छाई संस्था अध्यक्ष विनीत शर्मा ने बताया संस्था द्वारा 10 साल से लगातार जनहित के कार्य किये गए है। संस्था द्वारा कच्ची बस्तियों में साक्षरता अभियान, गांवों के प्राथमिक स्कूलों में सुधार के प्रयास, पौधरोपण, डेंगू से बचाव के लिए बस्तियों में कीटनाशक का छिड़काव, लोकडाउन में गरीबों को भोजन-अनाज, लड़कियों को आत्म सुरक्षा ट्रेनिंग, थैलेसीमिया बच्चों के लिए रक्तदान शिविर व बस्तियों में निशुल्क चिकित्सा शिविर, जैविक खेती वर्कशॉप, पानी सफाई सीवर लाइन के लिए ज्ञापन प्रदर्शन आदि अनेक जनहित कार्य किये गए । सम्मान समारोह दौरान संस्था अध्यक्ष विनीत शर्मा, सचिव उस्मान खान, आरी तारी संस्थान अध्यक्ष आजम खान, फिरोज खान, चंदन लालवानी आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड की तपोभूमि जहां प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देती है वहीं पशुपालन का संदेश भी देती है - वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी

देहरादून (संस्कार सृजन)। उत्तराखंड की तपोभूमि जहां प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देती हैं वहीं पशुपालन का संदेश भी देता हैं। गढ़वाल से पहुंचे वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी व किरन सोनी ने अल्मोड़ा के कलबिष्ट डाडा गोलुदेवता मन्दिर में पूजा अर्चना कर मंदिर के पुजारी को पौधा उपहार में देकर देववृक्ष बेलपत्र के पौधों का रोपण मंदिर परिसर में किया।

पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी कहते हैं उत्तराखंड की तपोभूमि ऐसी है यहां के देवी देवता, रीति रिवाज व परम्पराएं कोई न कोई संदेश देते हैं । कहा जाता हैं कल्याण सिंह बिष्ट जिन्हें कलबिष्ट देवता के नाम से जाना जाता हैं वे पशु पालते थे और दूध का व्यापार किया करते थे उस समय के लोग पशुपालन का कार्य कर अपना भरण पोषण किया करते थे जो आज धीरे धीरे समाप्त की ओर हैं। हमने कल बिष्ट मंदिर में पौधारोपण किया ताकि देव स्थलो में हरियाली बनी रहे। पंडित हेमदत्त कांडपाल ने कहा पत्थरों की शिलाएं ये प्रेरणा देते हैं कि उस समय भी हमारे पूर्वज पशु पालन का कार्य करते होंगे। किरन सोनी ने अपने देव स्थलों को स्वच्छ बनाने की अपील करते हुए कहा हमारी यह भूमि कई प्रेरणाओं से भरी हैं बस हमें उनका अनुकरण करना है। वही केएल टम्टा ने कहा हमारे पीढ़ी को ऐसे देवस्थानों से प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि हमारे धरोहरो का महत्व बना रहे। पौधारोपण में प.ललित मिश्रा, राजेन्द्र बिष्ट, लक्ष्मण सिंह, दीवान राम, गोविन्द राम, निखिल, हेमा देवी आदि उपस्थित रहे ।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

चौमूं (संस्कार सृजन)। शहर के मोरीजा रोड पर स्थित कांग्रेस कार्यालय गोठवाल भवन पर सभापति विष्णु कुमार सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवंदा व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सभापति विष्णु कुमार सैनी ने बताया कि वह इंदिरा गांधी ही थी जिन्होंने पूरे एशिया का भूगोल बदल दिया, पाकिस्तान के दो टुकड़े किए, भारत को परमाणु संपन्न देश बनाया और ऑपरेशन ब्लू स्टार के तहत खालिस्तान की कमर तोड़ दी थी। उनके साहसिक फैसलों की वजह से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें दुर्गा कह कर संबोधित किया था। इस

मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवंदा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कृष्णकांत जोशी, पार्षद रमेश चंद्र सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस कैलाश चंद्र सेठी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सांवरमल सैनी, सरपंच मनोहर सरावता, अशोक यादव, शंकर यादव, शंकर लाल देवपुरा, कमलेश मीणा, इस्माइल रंगरेज, नितिन श्रीवास्तव, भंवरलाल सैनी, सांवरमल चौधरी, दिनेश सैनी, आरिफ खान, राकेश कुमार सैनी, तुलसी पावर, प्रहलाद कोडया व राकेश इंदौरा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीया कुमारी ने कहा- भाजपा विकास के लिए हमेशा तैयार

विद्याधर नगर की सभा में कांग्रेस के स्थानीय नेता को भाजपा में कराया शामिल

जयपुर(नि.सं.)। विद्याधर नगर से भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी ने सोमवार को खातीपुरा मंडल के वार्ड 28 के श्रीराम मंदिर के प्रांगण में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। दीया कुमारी ने इस जनसभा में कांग्रेस नेता यूसुफ खाँ को भाजपा में शामिल कराया। इस अवसर पर दीया कुमारी ने कहा कि यूसुफ खाँ का भाजपा परिवार में स्वागत करते हैं, उनके अनुभव और योगदान से पार्टी को मजबूती मिलेगी। जनसभा में दीया कुमारी ने क्षेत्रवासियों को समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों का समर्थन ही उनकी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए भाजपा सदैव ही प्रतिबद्ध रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की सरकार आने पर क्षेत्रवासियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएंगे।

दीया कुमारी ने सभा के दौरान क्षेत्र में मूलभूत समस्याओं को लेकर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनकर उनसे सुझाव भी लिया। सभा में भाजपा के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के अलावा क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

राज बब्बर बोले– कई लोग आएंगे नफरत फैलाने

भाजपा के पास गिनाने को कोई काम नहीं है:अमीन कागजी

जयपुर(नि.सं.)। किशनपोल विधानसभा से कांग्रेस विधायक प्रत्याशी अमीन कागजी के समर्थन में बगरू वालों के रास्ते में रविवार को कांग्रेस नेता और अभिनेता राजबब्बर ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, कांग्रेस नेत्री आराधना मिश्रा ने भी संबोधित किया। अमीन कागजी के समर्थन में हुए सभा को संबोधित करते हुए राजबब्बर ने कहा कि अब कई लोग आएंगे नफरत फैलाने लेकिन आप लोगों को ऐसे झांसेबाजों से बचना चाहिए। आपके बीच एक ऐसा प्रत्याशी है जिसने पांच साल जमकर आपकी सेवा की है। उसने ना हिन्दू देखा ना मुस्लिम देखा, उसने नफरत को खत्म किया और मोहब्बत को बढ़ाया। ऐसे में एक बार फिर से अमीन कागजी को जीताकर विधानसभा भेजे। ये हमारी गारंटी है कि इस बार लाल बत्ती भी मिलेगी। वहीं,राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा की छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में कांग्रेस जीत रही है, तो राजस्थान में कांग्रेस को जिताएं और उस जीत में आपके प्रत्याशी को भी हिस्सेदार बनाएं। वादा करता हूं जीतने के बाद अमीन कागजी अपने क्षेत्र के लिए मेरे सांसद कोष से जब भी फंड मांगेगे, तुरंत उपलब्ध करवा दूंगा।

लेकिन याद रहे कांग्रेस मोहब्बत की दुकान खोलना चाहती है,भाजपा मोहब्बत नहीं नफरत फैलाती है। लेकिन हमारे नेता राहुल गांधी की जिद है कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलेंगे। हम भी ऐसी ही एक मोहब्बत की दुकान? किशनपोल में आपके सहयोग से खोलेंगे।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com